तापमान
अधिकतम 40.3°C
न्यूनतम 27.2°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

11 स्वच्छता अभियान चलाकर किया पौधरोपण

12 उपेक्षा से नाराज लोगों ने पकड़ी आंदोलन की राह...

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से श्रमिक की मौत, साथी घायल

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर कुंडली क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार श्रमिक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का दिल्ली के अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस को दी शिकायत में रामू ने बताया कि उसके पिता रामभगत राई स्थित एचएसआईआईडीसी क्षेत्र की एक कंपनी में कार्यरत थे और नरेला में रहते थे। वह सहकर्मी श्याम सुंदर के साथ मोटरसाइकिल से रोजाना ड्यूटी पर आते-जाते थे। ड्यूटी खत्म करने के बाद दोनों नरेला लौट रहे थे। कुंडली के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गया, लेकिन अपनी पहचान बताए बिना वहां से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल रामभगत को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

सड़क पार कर रही महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

सोनीपत। राठधना रोड पर सड़क पार करते समय ट्रक की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मृतका के सहकर्मी की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी विपती देवी के रूप में हुई है। वह गोकुल ग्रीन सिटी के पास झुग्गी में रहकर माली का काम करती थी।सहकर्मी बिलट ने बताया कि शुक्रवार को दोनों राठधना रोड स्थित बंद पड़ी जूस फैक्टरी के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान नरेला की ओर से आए तेज रफ्तार ट्रक ने विपती देवी को टक्कर मार दी।

बंद मकान से 40 हजार नकदी और जेवरात चोरी

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव उल्देपुर में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर नकदी और जेवरात चोरी कर लिए। उल्देपुर निवासी प्रताप सिंह ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ करीब 10-12 दिन से चंडीगढ़ में बेटे के पास गए हुए थे। 16 जुलाई को सफाई करने वाली महिला ने फोन कर घर में चोरी होने की जानकारी दी। घर पहुंचने पर सामान बिखरा मिला। जांच में सामने आया कि चोर 40 हजार रुपये नकद, करीब दो तोले की सोने की चेन, दो सोने की अंगूठियां और एक जोड़ी चांदी की पायल चोरी कर ले गए।

हाइड्रोजन ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू, पहले दिन वापसी में सिर्फ 53 यात्रियों ने किया सफर, समय-सारणी पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का जींद-सोनीपत रेलखंड पर रविवार से नियमित परिचालन शुरू हो गया। हालांकि परिचालन के पहले ही दिन ट्रेन को यात्रियों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। जींद से अपने निर्धारित समय पर रवाना हुई ट्रेन आठ मिनट की देरी से सोनीपत स्टेशन पहुंची, जबकि वापसी में जींद जाने के लिए केवल 53 यात्रियों ने टिकट खरीदा। रविवार का अवकाश होने के कारण यात्रियों की संख्या कम रही, लेकिन रेलवे अधिकारियों को उम्मीद है कि सोमवार से इसमें बढ़ोतरी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद में हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रदेशवासियों को समर्पित कर चुके हैं। शनिवार को परिचालन नहीं हुआ, जबकि रविवार से नियमित सेवा शुरू की गई। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 74010 जींद से सुबह 7:40 बजे रवाना होकर 9:48 बजे सोनीपत पहुंची और वापसी में 74009 के रूप में संचालित हुई। फिलहाल प्रत्येक शुक्रवार को रखरखाव के कारण ट्रेन का संचालन नहीं किया जाएगा। जींद से सोनीपत के बीच ट्रेन का 12 स्टेशनों पर ठहराव निर्धारित किया गया है। इनमें जींद सिटी, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भंभेवा, ईशापुर खेड़ी, बुटाना, खंदराई, गोहाना, रभड़ा, लाठ, मोहाना व बड़वासनी स्टेशन शामिल हैं। यात्रियों की मानें, तो कुछ पैसेंजर ट्रेनों का बीच के सभी स्टेशनों पर भी ठहराव नहीं हो रहा है। उनकी अधिकारियों से मांग है कि अन्य पैसेंजर ट्रेनों का बीच मार्ग के सभी स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए, ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके।

- शुक्रवार को रखरखाव के चलते ट्रेन बंद रहेगी

अप-डाउन रूट पर 3 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का हो रहा परिचालन : वर्ष 2005 में जींद-सोनीपत को रेलवे लाइन से जोड़ने की केंद्रीय बजट में हुई घोषणा वर्ष 2016 में पूरी हुई थी। 26 जून 2016 को सोनीपत-गोहाना-जींद रेलमार्ग पर उद्घाटन हुआ था। उस दौरान उस ट्रैक पर एक पैसेंजर ट्रेन का संचालन शुरू हुआ था, जबकि वर्तमान में उक्त रेल लाइन पर अप-डाउन रूट में तीन जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों व एक एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। इनमें ट्रेन संख्या 74020 पैसेंजर ट्रेन जींद से सुबह 6:15 बजे चलकर 7:27 पर गोहाना होते हुए 8:45 बजे सोनीपत पहुंच रही है। वापसी में यही ट्रेन सोनीपत से 9:40 बजे चलकर 10:27 बजे गोहाना होते हुए 12 बजे जींद पहुंची है। इसके बाद 74020 पैसेंजर ट्रेन जींद से 10:30 बजे चलकर 11:41 बजे गोहाना के रास्ते 12:40 बजे सोनीपत पहुंचती है। वापसी में 74019 सोनीपत से 1:35 बजे चलकर 2:25 पर गोहाना होते हुए 4 बजे जींद पहुंची है। वहीं तीसरी 74040 पैसेंजर ट्रेन 12:30 बजे जींद से चलकर 1:30 बजे गोहाना, फिर 2:30 बजे सोनीपत पहुंचती है। वापसी में 74039 शाम को 6:10 बजे सोनीपत से चलकर 6:51 बजे गोहाना, 8 बजे जींद अपनी यात्रा संपन्न कर रही है।

दैनिक यात्री बोले- रोजाना अप-डाउन रूट पर दो फेरे निर्धारित किए जाएं

दैनिक यात्री कुसुम, मंजू, सुनीता, प्रमोद, राजकुमार ने बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन का परिचालन होने से दैनिक यात्रियों को लाभ नहीं मिल सकेगा। इसका कारण ट्रेन की गलत तौर पर बनाई गई समय सारणी है। यात्रियों ने बताया कि ट्रेन सुबह 9:40 बजे सोनीपत पहुंचेगी, जबकि सुबह-दोपहर को अधिकतर शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों, विद्यार्थियों, युवाओं को 8 या 9 बजे से पहले संस्थानों में पहुंचना पड़ता है। इससे उनकी नियमित समय सारणी से हाइड्रोजन का शेड्यूल मेल नहीं खा रहा है। वहीं वापसी में ट्रेन को 10:40 बजे चलाने का निर्णय लिया गया है, जबकि दोपहर को कार्य से मुक्त होने के बाद अधिकतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों को स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में उनकी मांग है कि हाइड्रोजन ट्रेन की समय सारणी में बदलाव किया जाए और रोजाना अप-डाउन रूट पर दो फेरे निर्धारित किए जाएं।

उमस भरी गर्मी में गहराया बिजली संकट, शहर में 6-7 घंटे तक लग रहे कट

अघोषित बिजली कटौती पर फूटा लोगों का गुस्सा, विधायक को घेरा

निखिल मदान ने संभाला मोर्चा

- लाइन पार क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन अघोषित बिजली कटौती से लोग बेहाल, विरोध के बीच विधायक मदान ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा
- बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता मनिंद्र कादियान व कार्यकारी अभियंता रणबीर देशवाल के साथ बैठक कर समाधान के निर्देश दिए
- आर्य नगर और ब्रह्म नगर में 200 केवी के नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे, एक सप्ताह में कार्य पूरा करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

उमस भरी गर्मी के बीच शहर के लाइन पार क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन अघोषित बिजली कटौती से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। कई कॉलोनियों में 6 से 7 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से पेयजल संकट भी गहरा गया। विरोध कर रहे लोगों को समझाने पहुंचे विधायक निखिल मदान को भी कॉलोनीवासियों के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। विधायक ने मौके पर बिजली अधिकारियों को बुलाकर आपूर्ति बहाल कराई और अगले एक सप्ताह में प्रभावित क्षेत्रों में नए ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए।

शनिवार देर रात और रविवार को विधायक निखिल मदान ने ब्रह्म नगर, ओल्ड रोहतक रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता मनिंद्र कादियान, कार्यकारी अभियंता रणबीर देशवाल और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या के स्थायी समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों ने ब्रह्म नगर और आर्य नगर सहित कई क्षेत्रों में 200 केवी के नए ट्रांसफार्मर लगाने और जर्जर तारों को बदलने का कार्य शुरू कर दिया।

विधायक ने बताया कि शहर के 8 से 10 स्थानों पर अगले सप्ताह नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे, जिससे ओवरलोड की समस्या कम होगी और बार-बार होने वाली बिजली कटौती से राहत मिलेगी। हालांकि लोगों का कहना है कि हर बार केवल आश्वासन मिलता है, जबकि बिजली और पेयजल संकट लगातार बना हुआ है। उन्होंने आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

सोनीपत। ब्रह्म नगर में बिजली संकट को लेकर विधायक को घेरकर खड़े कॉलोनी वासी।

बिजली कटौती पर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

गन्नौर। शहीद भगत सिंह मार्केट और वार्ड-8 में करीब एक दिन से बिजली आपूर्ति बाधित रहने से नाराज व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने रविवार को बिजली निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि शनिवार रात से बिजली नहीं होने के कारण कारोबार प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी में दुकानदारों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बिजली विभाग के खिलाफ रोष मार्च निकाला जाएगा।

मलिकपुर में मिले किशोरी के शव की गुत्थी नहीं सुलझी

दूसरे दिन भी नहीं हो पाई लड़की की शिनाख्त

- पुलिस ने जांच के दौरान पीजीआई रोहतक से एक किशोरी की मौत से जुड़ा रिकॉर्ड भी मंगवाया

सोनीपत। मलिकपुर गांव में धतूरी रोड स्थित तालाब के पास गड्ढे से मिले किशोरी के शव की गुत्थी दूसरे दिन भी नहीं सुलझ सकी। पुलिस अब तक मृतका की पहचान नहीं कर पाई है। जांच के दौरान संदेह के दायरे में आए एक महिला और एक व्यक्ति का भी कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे मामला और रहस्यमय हो गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पीजीआई रोहतक से एक किशोरी की मौत से जुड़े रिकॉर्ड भी मंगवाए हैं। दस्तावेजों के अनुसार करीब 17 वर्षीय किशोरी की मौत बीमारी के कारण दर्ज है और चिकित्सकीय परीक्षण में शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले थे।

इसी आधार पर उस समय पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यदि मौत स्वाभाविक थी तो शव को तालाब के पास गड्ढे में दफनाने की जरूरत क्यों पड़ी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तालाब के पास कुत्तों द्वारा मिट्टी खोदने पर शव दिखाई दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस का अनुमान है कि शव तीन से चार दिन पुराना हो सकता है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि मृतका की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है।

दो दिन से लापता युवक का मोर्चरी में मिला शव, हादसे में मौत की आशंका

सोनीपत। बहालगढ़ क्षेत्र से दो दिन पहले लापता हुए युवक का शव नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में मिलने से परिवार में शोक छा गया। पुलिस को आशंका है कि युवक की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार गांव बहालगढ़ निवासी अनिल ने शिकायत दी कि उसका 34 वर्षीय भाई संजीव 15 जुलाई को काम के सिलसिले में घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। 17 जुलाई को परिजन नागरिक अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें पता चला कि 16 जुलाई की रात गंभीर हालत में एक अज्ञात युवक को एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मोर्चरी में रखे शव की पहचान परिजनों ने संजीव के रूप में की।

नगर निगम की सख्ती, लोगों को नोटिस थमाए

अवैध होर्डिंग्स से बिगड़ रही शहर की सुंदरता, 243 स्थानों पर कार्रवाई की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शहर की सुंदरता को प्रभावित कर रहे अवैध होर्डिंग्स, फ्लेक्स, बैनर और पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्ती की तैयारी कर ली है। निगम प्रशासन ने शहरभर में बिना अनुमति लगी प्रचार सामग्री के लिए 243 स्थान चिह्नित किए हैं। अब संबंधित लोगों, संस्थाओं और आयोजकों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा में स्वयं होर्डिंग्स और अन्य प्रचार सामग्री हटाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। ऐसा नहीं करने पर निगम की टीम खुद कार्रवाई करेगी और कार्रवाई का खर्च संबंधित व्यक्ति से वसूला जाएगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार शहर की पहचान केवल विकास कार्यों से नहीं बल्कि स्वच्छता और सुंदरता से भी होती है। सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगाए गए होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर जहां शहर की सुंदरता को प्रभावित करते हैं, वहीं कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था में भी बाधा पैदा करते हैं। बड़े आकार के होर्डिंग्स वाहन चालकों का ध्यान भटकाने से हादसों का कारण भी बन सकते हैं। निगम की ओर से किए गए सर्वे में शहर के विभिन्न मार्गों, चौकों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध प्रचार सामग्री पाई गई है। इसके बाद 243 स्थानों की सूची तैयार की गई है। निगम ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नोटिस में तय समय के भीतर स्वयं सामग्री हटाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। समय सीमा के बाद भी प्रचार सामग्री नहीं हटाने वालों के खिलाफ निगम कार्रवाई करेगा।

नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बाजारों में अतिक्रमण पर भी सख्ती

नगर निगम ने प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण करने वालों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी की है। कच्चे क्वार्टर मार्केट, आठ मरला चौक, गुड़ मंडी बाजार और हलवाई हट्टा मार्केट सहित अन्य क्षेत्रों में दुकानदारों और रेहड़ी संचालकों को दुकानों के आगे सामान नहीं फैलाने की हिदायत दी गई है।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

नगर निगम प्रशासन शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर प्रतिबद्ध है। बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग्स, फ्लेक्स, बैनर और पोस्टरों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। 243 स्थान चिह्नित कर संबंधित लोगों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माना, कार्रवाई शुल्क और एफआईआर जैसी कार्रवाई की जाएगी।

-हर्षित कुमार, आयुक्त, नगर निगम

रेलवे रोड पर खुदाई के दौरान फटी पीएनजी पाइपलाइन, तेज आवाज से अफरा-तफरी

बरसाती पानी निकासी की लाइन डालते समय हुआ हादसा, दो घंटे बंद रही आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

शहर के रेलवे रोड पर बरसाती पानी निकासी की पाइपलाइन डालने के दौरान भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होकर फट गई। पाइपलाइन फटते ही तेज दबाव के साथ गैस और धूल-मिट्टी का गुबार हवा में उठ गया। अचानक हुई तेज आवाज और धूल के गुबार से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते गैस आपूर्ति बंद कर स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना रेलवे रोड स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बरसाती पानी निकासी की पाइपलाइन डालने के लिए खुदाई का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान जेसीबी और अन्य उपकरणों से खुदाई करते समय नीचे से गुजर रही पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन में गैस का दबाव अधिक होने के कारण मिट्टी तेजी से हवा में उछल गई और मौके पर धूल का गुबार छा गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही पीएनजी कंपनी की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सबसे पहले प्रभावित लाइन की गैस आपूर्ति बंद की गई। इसके बाद कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पाइपलाइन को दुरुस्त कर गैस रिसाव पूरी तरह रोक दिया गया।

- पाइपलाइन फटते ही तेज प्रेशर के साथ उठा गैस और धूल-मिट्टी का गुबार

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।

लोक संस्कृति

नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

ग़ज़ल **राजपाल सिंह गुलिया**

हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम -लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगैं मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

गीत **सत्यवीर नाहड़िया**

सुर में ताल मिलाएं ...

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवीं यादें

सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया

किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन

रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गज़ब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का

लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

खबर संक्षेप

पूजा-अर्चना कर जगत जननी को लगाया भोग

सोनीपत। बड़ा बाजार में सुनारों वाली गली स्थित सिद्धपीठ श्री देवी चिटाने वाली माता मंदिर में रविवार को शुक्ल पक्ष की छठ तिथि पर माता रानी की पूजा-अर्चना व कढ़ाई कर जगत जननी को भोग लगाया गया। महिला मंडली की ओर से संकीर्तन का आयोजन किया गया। महिलाओं ने भजनों से माता रानी का गुणगान किया। अतिथ के रूप में देवेंद्र कुच्छत, दिनेश कुच्छल, शिवम व केशव कुच्छल ने चिटाने वाली माता की आरती कर भोग लगाया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पंडित अमित शौनक ने बताया कि श्रीदेवी चिटाने वाली माता भक्तों की आराधना से प्रसन्न होकर मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

दर्शकों ने लिया जादुई प्रस्तुतियों का आनंद

सोनीपत। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के सौजन्य से अमृतकाल जागरूकता अभियान के तहत जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में आयोजित विश्वविख्यात जादूगर सम्राट शंकर का चार दिवसीय जादू शो रविवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम में जिले और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे करीब पांच हजार दर्शकों ने जादुई प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

सम्राट शंकर ने अपने जादुई करतबों के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा, महिला सम्मान और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया। दर्शकों ने ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित करने की मांग की।

किसानों के धरने को भाकियू का समर्थन

गोहाना। गांव गुहणा में बिजली टावरों के लिए अधिग्रहित भूमि का बाजार भाव के अनुसार मुआवजा देने की मांग को लेकर 7 जून से चल रहे किसानों के धरने पर रविवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतन मान पहुंचे और किसानों को समर्थन दिया। उन्होंने जिला कार्यकारिणी के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से तुरंत समाधान निकालने की मांग की। धरने पर गुहणा, आंवली, जाजी, मुहाना, भैंसवाल और बिलबिलान गांवों के किसान लगभग डेढ़ माह से बैठे हैं। किसानों का कहना है कि धरना समिति तीन बार ऊर्जा मंत्री से और कई बार उपायुक्त से मिल चुकी है। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा सहित भाजपा के कई नेता भी किसानों की मांगों का समर्थन कर चुके हैं लेकिन अब तक समाधान नहीं निकला। प्रदेशाध्यक्ष रतन मान ने कहा कि किसानों को जमीन का मुआवजा बाजार दर के अनुसार दिया जाए।

ईमानदारी मुक्ति का मार्ग : योगी रविकांत

सोनीपत। मध्य प्रदेश के खरगोन स्थित अपनों की कुटिया के संचालक आध्यात्मिक गुरु योगी रविकांत ने रविवार को शिव मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित सत्संग में श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी। सत्संग में हरियाणा, दिल्ली और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

योगी रविकांत ने कहा कि ईमानदारी मनुष्य को मुक्ति के मार्ग पर ले जाती है, जबकि बेईमानी उसे बंधनों में जकड़ देती है। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि सत्य के मार्ग पर चलकर ही आत्मकल्याण संभव है। श्रद्धालुओं से सत्संग की शिक्षाओं को अपनाने और अपने प्रति ईमानदार रहने का आह्वान किया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत जगदीशपुर में स्वच्छता अभियान और बड़े पैमाने पर पौधरोपण

सफाई के बाद सरकारी स्कूल परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे रोपित किए

सरकारी स्कूल और यमुना नदी मार्ग तक चलाया सफाई अभियान, पर्यावरण मित्रों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। पौधरोपण अभियान के दौरान गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

मुरथल खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जगदीशपुर में रविवार को स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष स्वच्छता अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान सुबह से ही ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर गांव की गलियों तथा मुख्य मार्गों पर सफाई की। इस दौरान विशेष रूप से गांव के सरकारी स्कूल और उसके आसपास के परिसर में सघन सफाई अभियान चलाकर कूड़ा-करकट हटाया गया। सफाई कार्य पूरा होने के बाद सरकारी स्कूल परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते ग्रामीणों ने गांव जगदीशपुर से यमुना नदी की ओर जाने वाले पूरे रास्ते पर भी बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया। इस संयुक्त अभियान में क्षेत्र के कई सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण मित्र टोली से दीपक चौहान, जाखौली मंडल की प्रभारी सोनिया मोर, मुरथल ब्लॉक समिति के चेयरमैन संजय, मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल, जगदीशपुर सरपंच पुष्पा देवी, प्रधान जितेंद्र कुमार, पंच महेंद्र, पंच अजय, पंच संदीप और पंच तरुण ने सक्रिय सहभागिता की। इनके साथ ही सफाई कर्मचारी जसवीर आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान के तहत सफाई व पौधरोपण, नागरिकों से जनभागीदारी की अपील

सोनीपत। सफाई अभियान के दौरान मेयर राजीव जैन साथ में सुभाष चंद्र एवं अन्य।

सोनीपत। नगर निगम के मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा जनभागीदारी को बढ़ावा देना रहा। अभियान के अंतर्गत स्वच्छता प्रहरी टीम ने लगातार तीसरे सप्ताह श्रमदान करते हुए महलाना रोड से हैबिटेट क्लब रोड तक सफाई अभियान चलाया। टीम के सदस्यों ने स्वयं सफाई कर लोगों को अपने घर, गली और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के स्वच्छता से स्वागत अभियान के तहत सुभाष चौक स्थित कैप्टन विक्रम बत्रा पार्क में स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र की मौजूदगी में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान पार्क में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

गोहाना। पर्यावरण संरक्षण जागरूकता संदेश देते हुए क्लब के सदस्य।

लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

गोहाना। शहीद चंद्रशेखर आजाद जयंती पर एनिमल्स क्योर क्लब हरियाणा द्वारा गांव ठसका में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जगरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यापर्ण के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में बुकमेन मिशन नितीश व उमी त्यागी और पेड़ लगाओ फाउंडेशन दिल्ली से जोनी राणा, हेमंत राणा व उनकी टीम द्वारा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत गांव ठसका स्थित गोशाला में त्रिवेणी रोपण करके लोगों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी लेने का संदेश दिया।

साप्ताहिक अभियान : संगठन की टीम ने लगाए 118 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के साप्ताहिक अभियान के तहत रविवार को विभिन्न किस्मों के 118 पौधे रोपे। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की।

संगठन की टीम ने सोनीपत मार्ग पर चम्पा, जंगली जलेबी और अर्जुन के पौधे रोपे। पौधों की ट्री गार्ड में संरक्षित किया गया ताकि उनको पशु नुकसान न पहुंचाएं। संगठन द्वारा पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई करके टैंकर की सहायता से सिंचाई भी की गई। संगठन अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि बारिश का मौसम पौधारोपण के लिए सबसे उत्तम होता है। ऐसे मौसम में पौधे सूखते नहीं हैं।

गोहाना। पौधरोपण करते संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

गोहाना। पौधरोपण करते एसएमसी सदस्य व शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। राजकीय प्राथमिक पाठशाला खंदराई में रविवार को एक पेड़ मां के कार्यक्रम के तहत एसएमसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद एसएमसी सदस्यों ने पाठशाला में पौधारोपण किया। शिक्षक जयपाल लाठर ने बताया कि आज ग्लोबल वार्मिंग एक विकट समस्या है जो लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस विश्वव्यापी समस्या के समाधान के लिए हमें पर्यावरण संरक्षण की ओर ध्यान देना होगा अन्यथा भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। शिक्षक ने कहा कि हम अधिक से अधिक पौधारोपण करके ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती समस्या पर रोक लगा सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण हम सब की नैतिक जिम्मेवारी है। पौधरोपण में एसएमसी प्रधान कुलदीप सिंह, मुख्य शिक्षक अजीत सिंह, जयपाल लाठर, विजय सिंह, बिजेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, नीतू रानी, रेखा व नीलम ने अपनी सेवाएं दी।

रोटरी क्लब आफ गन्नौर रायल के शिविर में 107 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गन्नौर। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते समाजसेवी अंकित मल्होत्रा।

रोटरी क्लब आफ गन्नौर रायल की ओर से शनिवार को शिव पार्क में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 107 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। क्लब के प्रधान नितिन जैन ने बताया कि जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए क्लब समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करता है। शिविर में मुख्य अतिथि समाजसेवी अंकित मल्होत्रा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। क्लब के संयुक्त सचिव सचिन जैन ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और इसे केवल रक्तदान के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक होना चाहिए। प्रोजेक्ट अध्यक्ष सचिन वाधवा और यश जैन ने शिविर का संचालन किया। वार्ड-6 के पार्षद अजय सरोहा ने भी रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। इस दौरान क्लब के सदस्य जतिन जैन, अजय त्यागी, अंकित गोयल, श्वेत मित्तल, विनय जिंदल, संदीप वर्मा आदि मौजू रहे।

समाज सेवा समिति की प्रतिनिधि सभा में सदस्यता अभियान की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

समाज सेवा समिति की द्वितीय प्रतिनिधि एवं कार्यकारिणी सभा का आयोजन सेवा सदन, कबीरपुर स्थित शाखा कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान प्रवीण वर्मा ने की, जबकि मंच संचालन संयोजक शशी करण नासा ने किया। बैठक में सत्र 2026-27 के सदस्यता अभियान की समीक्षा की गई। कोषाध्यक्ष सतीश अरोड़ा ने बताया कि 45 प्रतिनिधियों को एक हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था। अब तक 685 सदस्यों का शुल्क जमा हो चुका है और शेष प्रतिनिधि सदस्य बनाने के लिए संपर्क अभियान चला रहे हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति की प्रथम आम सभा दो अगस्त को वसुंधरा गार्डन, कबीरपुर बाईपास में सुप्रसिद्ध समाजसेवी राजीव बटला की अध्यक्षता में आयोजित होगी। सभा में प्रधान एवं लेखा परीक्षक का चुनाव कराया जाएगा। साथ ही सत्र 2025-26 का आय-व्यय विवरण सतीश अरोड़ा तथा ऑडिट रिपोर्ट लेखा परीक्षक कृष्ण कुमार बत्रा प्रस्तुत करेंगे।

गोबर से निर्मित गौ-काष्ठ विभिन्न धार्मिक कार्यों में उपयोगी : सतेंद्र

खरखौदा। गौ काष्ठ निर्माण मशीन भेंट करते विशिष्टजन। फोटो :हरिभूमि

खरखौदा। आरएसवीसी सेंटर मंडौरा के सहयोग से गुरुकुल एवं गौशाला बरोना में गोबर से गौ-काष्ठ (लकड़ी) बनाने वाली मशीन का शुभारम्भ नेशनल गौ धन समिति के विजय खुराना, चैयरमेन डी.पी. गोयल, आरएसवीसी सेन्टर मंडोरा के डायरेक्टर सतेंद्र द्वारा विधिवत फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को गौ-काष्ठ निर्माण की प्रक्रिया, उसके उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण में उसकी महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कल होगी शक्ति केंद्रों पर बैठक : बिजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गोहाना। बैठक में उपस्थित पार्टी नेता और कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

जिला गोहाना भाजपा की सोनीपत मार्ग स्थित जिला कार्यालय पर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला गोहाना भाजपा अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। मार्गदर्शन प्रभारी डॉ.किरण कलकल का रहा।

जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कार्यकर्ताओं को जिला गोहाना के सभी शक्ति केंद्रों पर बैठक करने के निर्देश दिए और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। प्रभारी डॉ. किरण कलकल ने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके पात्र व्यक्तियों की वोट बनवाने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंचाने के लिए कहा। इस मौके पर जिला महामंत्री महेन्द्र चिड़ाना एवं जितेन्द्र शर्मा, बलराम कौशिक, नरेन्द्र गहलावत, डॉ. रमेश कश्यप, रीना शर्मा, भूपेंद्र मुदगिल, परमवीर सैनी, सरपंच पवन शर्मा, मुकेश रोहिल्ला, डॉ. राममेहर राठी, कुलदीप कौशिक, अशोक सेन, इंद्रपाल, विनोद भौरिया, प्रवीण मौजूद रहे।

सिसाना में कमरों की नींव रखते विधायक पवन खरखौदा

विधायक ने शिव मंदिर में रखी दो कमरों की नींव

खरखौदा। सिसाना गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में विधायक पवन खरखौदा ने दो नए कमरों के निर्माण कार्य की विधिवत नींव रखी। इस अवसर पर मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। विधायक ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों का विकास समाज की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि मंदिर में बनने वाले इन दो कमरों से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के दौरान बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। प्रदेश सरकार गांवों के धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत करते हुए निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि नए कमरों के निर्माण से मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं और आयोजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी।

डॉ. भीमराव आंबेडकर मूल निवासी समिति गांव खेड़ी गुर्जर के सुशील बने सर्वसम्मति से प्रधान

गन्नौर। गांव खेड़ी गुर्जर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मूल निवासी समिति की आम सभा की बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में समिति के सर्वसम्मति से सुशील कुमार को समिति का नया प्रधान व अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी विधिवत चयन किया गया। नवनिर्वाचित प्रधान सुशील कुमार ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। सर्वसम्मति से सुरेंद्र कुमार को उपप्रधान, राकेश कुमार को महासचिव, नरेंद्र कुमार को सचिव तथा रामनिवास को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रवि, उमेद, अशोक कुमार, मोहन लाल, सुकेश और अमित का चयन किया गया।

गन्नौर। नवनिर्वाचित प्रधान सुशील कुमार व अन्य का स्वागत करते समिति के पदाधिकारी।

कार्यक्रम इस्कॉन प्रचार समिति ने गुड़ मंडी क्षेत्र व वेस्ट रामनगर में निकाली प्रभातफेरी

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल आमजन को दिखाया धर्म का मार्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। सोनीपत के गुड़ मंडी क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर रविवार को गुड़ मंडी क्षेत्र व वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल श्री हरि गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत भरतपुरी स्थित इस्कॉन प्रचार केंद्र से तुलसी पूजन व दीपदान के साथ की गई। तत्पश्चात प्रभातफेरी पालीवाल धर्मशाला, काठ मंडी क्षेत्र, ब्रह्म नगर होते हुए वेस्ट रामनगर में शालिग्राम दास के आवास पर हरिनाम संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। मार्ग में इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। जगह-जगह भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का स्वागत किया।

हरिनाम की महिमा बताई

रघु कुमार दास, सहदेव प्राण दास ने बताया कि हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी के दौरान गुड मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में होने वाली श्रीमद्भागवत कथा का प्रचार-प्रसार भी किया गया। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 27 सितंबर से 3 अक्तूबर तक पितृ पक्ष में किया जाएगा। कथाव्यास इस्कॉन प्रचार केंद्र, कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष साक्षी गोपाल दास अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। संकीर्तन में श्रद्धालुओं को हरिनाम की महिमा के बारे में विस्तार से बताया। संकीर्तन में कृष्ण कृपा दास, भागवत तत्व दास, ईश्वर चंद्र गौड़ दास मौजूद रहे।

रामकथा में भगवान श्रीराम-हनुमान मिलन प्रसंग का किया वर्णन

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण।

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से देव नगर स्थित हरीश छाबड़ा के निवास पर श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। कथा के दौरान ओमप्रकाश ने श्रीराम और हनुमान के प्रथम मिलन का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि माता सीता की खोज के दौरान ऋष्यमूक पर्वत पर सुग्रीव के कहने पर हनुमान ब्राह्मण का वेश धारण कर प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण के पास पहुंचे। परिचय होने पर हनुमान ने प्रभु को पहचानकर उनके चरणों में प्रणाम किया, जिसके बाद श्रीराम ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले लगा लिया। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास द्वारा वर्णित चौपाई का भावार्थ भी श्रद्धालुओं को सुनाया। कथा में बताया गया कि इसके बाद हनुमान प्रभु श्रीराम को सुग्रीव के पास ले गए, जहां अग्नि को साक्षी मानकर दोनों की मित्रता हुई। कार्यक्रम में पवन सहगल, शाम रहेजा, सूरज कांत, राकेश बहल, बिहारी लाल, ललित बत्रा, महेश पांडे, अशोक, मुकेश, मेहर चंद, महेश मौजूद रहे।

मामा की शादी की खुशी में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोनीपत। पौधरोपण करते हुए वियान और रेयांश।

सोनीपत। परिवार में मामा की शादी की खुशी को यादगार बनाने के लिए बच्चों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वियान और रेयांश ने अपने मामा अजय पुत्र जगबीर निवासी कुराड़, की शादी के उपलक्ष्य में पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

परिजनों ने कहा कि खुशियों के अवसर पर पौधारोपण जैसी पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है। इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ती है और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिलता है। बच्चों ने सभी से जन्मदिन, शादी और अन्य पारिवारिक आयोजनों पर पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। परिवार के सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सकारात्मक प्रयास बताया

खबर संक्षेप

मजदूरी के रुपये मांगने पर रॉड से किया हमला

गन्नौर। गांव सनपेड़ा में मजदूरी के भुगतान को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि दो युवकों ने एक व्यक्ति पर रॉड और डंडे से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गन्नौर और बाद में बीपीएस मेडिकल कॉलेज, खानपुर कलां रेफर किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशोर से नकदी लूटने पर दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। खेवड़ा कॉलोनी में स्क्रैप बेचने का झांसा देकर 14 वर्षीय किशोर के साथ मारपीट कर चार हजार रुपये लूटने की वारदात का बहालगढ़ थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अदालत में पेश करने के बाद दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

ट्यूबवेल से मोटर स्टार्टर और तार चोरी, केस दर्ज

गन्नौर। क्षेत्र के गांव भूरी में खेतों में बने ट्यूबवेल को चोरों ने एक बार फिर निशाना बना लिया। अज्ञात चोर कमरे में घुसकर मोटर स्टार्टर और करीब 50 फीट बिजली का तार चोरी कर ले गए। पीड़ित किसान की शिकायत पर थाना एचएसआईआईडीसी बड़ीपुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव भूरी निवासी एवं पूर्व सरपंच श्री भगवान ने पुलिस को शिकायत दी।

नरेंद्र और रूप नगर में जलभराव का संकट, अनिश्चितकालीन धरना शुरू

डेढ़ साल की सीवर समस्या से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा

बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की बढ़ी परेशानी, बीमारी का मंडराया खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के नरेंद्र नगर व रूप नगर क्षेत्र में करीब डेढ़ वर्ष से बनी सीवरेज जाम व गलियों में दूषित जलभराव की समस्या पर लोगों का आक्रोश अनिश्चितकालीन धरने में तब्दील हो गया। दोनों क्षेत्रों के लोगों ने शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं होने से नरेंद्र नगर सुधार समिति के बैनर तले राठधना रोड स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (पॉलिटेक्निक) के पास मुख्य सड़क पर टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। लोगों के कदम के बाद शहर के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के पैरों तले की जमीन हिली दिखाई दी। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि संबंधित विभाग, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लगातार उपेक्षा से नाराज लोगों ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरने पर मौजूद अजमेर मोर, अर्पित मिश्रा, विनोद कुमार, सुमित, विजय रोहिल्ला, रामपति भोला, प्रिंस वर्मा, यशपाल शर्मा, दीपक, प्रतीक तुषीर, अमित निगम, शुभम मोर, बक्शी, धर्मेंद्र मास्टर, पुष्पा, मंगलसेन, ओमवती, आत्मप्रकाश सहित अन्य लोगों ने बताया कि गलियों में सीवर का दूषित पानी जमा रहने से लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। आखिरकार क्षेत्र वासियों को सम्मानपूर्वक और स्वच्छ वातावरण में जीने का अधिकार क्यों नहीं मिल रहा। लंबे समय से क्षेत्र की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो गया है। महिलाओं ने कहा कि स्कूल आने-जाने में बच्चों को सबसे अधिक कठिनाई होती है। गंदगी और बदबू के कारण क्षेत्र में बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई कर क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने की मांग की। नरेंद्र नगर सुधार समिति के सदस्यों ने प्रशासन से अपील की, कि जनता की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

सोनीपत(राठधना रोड पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे नरेंद्र नगर व रूप नगर के लोग।

जीवन हुआ अस्त-व्यस्त

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि महीनों से केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि कॉलोनी के हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। उनका कहना था कि जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप होने से गलियों में कई-कई फीट तक दूषित पानी जमा है, अब वह मकानों के भीतर तक पहुंच चुका है। इससे घरेलू सामान खराब हो रहा है और लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

शिकायतों की बढ़ती जा रही फाइलें

धरने पर बैठे लोगों ने नगर निगम को दी गई शिकायतों की प्रतियां दिखाते हुए कहा कि अधिकारी हर बार निरीक्षण और कार्रवाई का भरोसा देकर लौट जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की जाती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। नगर निगम कार्यालय का घेराव भी किया जाएगा। लोगों ने बताया कि दूषित पानी घरों के अंदर तक पहुंचने से परिवारों का रहना मुश्किल हो गया है।

विधायक ने मौके पर पहुंचकर की सुनवाई

विधायक निखिल मदान रविवार को राठधना रोड पर धरना दे रहे नरेंद्र नगर व रूप नगर के लोगों के बीच पहुंचे। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने जलभराव, सीवर ओवरफ्लो व दूषित पानी की समस्या से उन्हें अवगत कराया। विधायक ने अधिकारियों को रूप नगर की जर्जर सीवर लाइन बदलने, नई लाइन बिछाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि करीब 15 से 20 दिनों में कार्य शुरू कराकर क्षेत्र की समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

जनसुनवाई में विधायक गहलावत ने सुनीं हलके के लोगों की समस्याएं

राई। विधायक कृष्णा गहलावत ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा अन्य जनहित से जुड़े मामलों को विधायक के समक्ष रखा। जनसुनवाई के दौरान विधायक कृष्णा गहलावत ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर कई मामलों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। विधायक ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका सबसे बड़ा दायित्व है और क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से जनहित के मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास तथा लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

जतिन ने नीट परीक्षा में 605 अंक प्राप्त कर दिखाई प्रतिभा

गोहाना। नीट की परीक्षा में जेकेआर पब्लिक स्कूल के छात्र जतिन पुत्र संदीप ने 605 अंक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि को लेकर स्कूल प्रबंधन द्वारा जतिन को पुरस्कृत किया। स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने कहा कि नीट जैसी परीक्षा में 605 अंक हासिल करना एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। छात्र जतिन ने यह उपलब्धि हासिल करके अपने परिवार व स्कूल का नाम रोशन किया है। राजबीर राठी ने छात्र जतिन को अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य अध्यापिका संगीता मुंजाल सहित अन्य शिक्षकगणों ने जतिन का फूलों की मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाई। संगीता मुंजाल ने कहा कि जतिन का यह प्रदर्शन दूसरे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

तीन ग्राम पंचायतों को मिले वाटर टैंकर

पंचायतों को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : देवेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव अगवानपुर के पंचायत घर में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कादियान ने ग्राम पंचायत अगवानपुर, पांची जाटान और खुबड़ू को तीन वाटर टैंकर वितरित किए। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विधायक का पगड़ी और फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक कादियान ने कहा कि पंचायतों को उपलब्ध कराए गए वाटर टैंकर पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ अन्य आवश्यक कार्यों में भी उपयोगी साबित होंगे। विशेषकर गर्मी और पानी की कमी के समय इनका लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। विधायक ने कहा कि जिला परिषद और सरकार भविष्य में भी जनसेवा और ग्रामीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेंगी।इस अवसर पर अनिल कुमार, जिला परिषद सदस्य सतीश गुलिया, ब्लॉक समिति सदस्य बादल, विजय, पूर्व सरपंच मेहर सिंह, पूर्व सरपंच बाबा, शीनू सरपंच प्रतिनिधि, ओमप्रकाश, इंद्र सिंह, रविंद्र, जगबीर, बबलू, मंगल, परविंदर, जगदेव, उमेश सहित तीनों पंचायतों के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पहलवान काजल ने जीता भारत कुमारी का खिताब, विधायक ने दिया आशीर्वाद

गोहाना। महाराष्ट्र में हुई राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में गांव मुंडलाना की बेटी काजल ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में भारत कुमारी का खिताब जीतकर अपने गांव का नाम रोशन किया है। काजल की इस उपलब्धि पर रविवार को गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बरोदा के विधायक इंदुराज नरवाल भालू ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि काजल की सफलता पूरे विधानसभा क्षेत्र व प्रदेश के लिए गर्व की बात है। काजल पिछले चार वर्षों से गोहाना के काला अखाड़ा में नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। विधायक ने कहा कि प्रदेश की बेटियां खेल सहित हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। सरकार और समाज का दायित्व है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और हरसंभव सहयोग दिया जाए।

सफाई के साथ पौधरोपण से मिलेगा स्वच्छ वातावरण और बेहतर जीवन : शेखर आंतिल

जगदीशपुर में चला अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गांव जगदीशपुर में रविवार को स्वच्छता अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान में गांव को स्वच्छ एवं हरित बनाने का संदेश दिया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई की गई तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। अभियान का नेतृत्व जखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल ने किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। सफाई के साथ पौधरोपण से स्वच्छ वातावरण और बेहतर जीवन मिलेगा। जखौली मंडल प्रभारी सोनिया मोर ने महिलाओं और युवाओं से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर दीपक चौहान, पंच संदीप, अजय, महिंदर, सुरेंद्र, तरुण, सतबीर सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

नीट में गरिमा ने हासिल किए 95.97 परसेंटाइल, विद्यालय का बढ़ाया मान

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन की छात्रा गरिमा ने नीट-2025 परीक्षा में 95.9714885 परसेंटाइल और ऑल इंडिया 3024 रैंक प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावकों और शिक्षकों का नाम रोशन किया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्या य प्रबंधन ने बताया कि गरिमा की सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच, नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और जीवन कौशल के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ जीवन की चुनौतियों का भी सामना कर सकें। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने गरिमा को बधाई देते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राम चौक में झुका हुआ बिजली का खंभा बना खतरा, स्थायी समाधान की अपील

खरखौदा। शहर के राम चौक मोहल्ले में लगा बिजली का एक खंभा लगातार टेढ़ा होता जा रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। खंभे पर बिजली के तारों के साथ कई प्रकार की केबलें भी बंधी हुई हैं, जिसके कारण उस पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसकी शिकायत कई बार बिजली निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो खंभे को सीधा किया गया है और न ही नया खंभा लगाया गया है। जब भी यहां बिजली के तारों में खराबी आती है और निगम के कर्मचारियों को बुलाया जाता है तो कई कर्मचारी इस खंभे पर चढ़ने से भी मना कर देते हैं। उनका कहना होता है कि खंभा कभी भी गिर सकता है, इसलिए उस पर काम करना सुरक्षित नहीं है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली लाइन की मरम्मत और खंभा बदलने का कार्य अलग-अलग शाखाओं के अधीन होने के कारण मामला विभागीय समन्वय की कमी में उलझा हुआ है।

गढ़ी केसरी में प्रस्तावित सीवरेज पंपिंग स्टेशन का विरोध, आज सौंपेंगे ज्ञापन

गन्नौर। गांव गढ़ी केसरी में प्रस्तावित सीवरेज पंपिंग स्टेशन के निर्माण का ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया है। रविवार को पार्षद अंकित त्यागी के नेतृत्व में भगवान परशुराम भवन में ग्रामीणों की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से परियोजना का विरोध करने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि शहर का दूषित पानी गांव में एकत्रित होने से प्रदूषण बढ़ेगा और बदबू, गंदगी व बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा। उनका आरोप है कि बरसात के पानी के नाम पर नालों का दूषित पानी गांव की जमीन में छोड़ा जाएगा, जिससे भूजल और आसपास का वातावरण भी प्रभावित होगा। पार्षद अंकित त्यागी ने कहा कि ग्रामीण विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन आबादी के बीच इस तरह का पंपिंग स्टेशन स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार को ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर निर्माण पर रोक लगाने की मांग करेगा।

सुपरमैक्स सोसायटी के बाहर हवाई फायरिंग करने वाले तीन गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-33 स्थित सुपरमैक्स सोसायटी के बाहर हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में सेक्टर-27 थाना पुलिस ने तीन युवकों को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवाल्वर, चार जिंदा कारतूस, एक खाली खोल और बेजा कार बरामद की है। साथ ही हथियार का लाइसेंस निरस्त कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस प्रवक्ता रविंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गांव खेवड़ा निवासी प्रवीण, सेक्टर-14 निवासी अजय और आदर्श नगर निवासी अरुण के रूप में हुई है। 18 जुलाई को सुपरमैक्स सोसायटी के रखरखाव का कार्य करने वाली कंपनी के कर्मचारी महेंद्र ने शिकायत दी थी कि शाम करीब साढ़े चार बजे सफेद रंग की बेजा कार में सवार तीन युवक सोसायटी के मुख्य गेट के बाहर पहुंचे। कार की पिछली सीट पर बैठे युवक ने खिड़की खोलकर रिवाल्वर से हवाई फायर कर दिया और तीनों मौके से फरार हो गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

जिला प्रशासन ने माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहल, शुरू हुआ मेगा अभियान

प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय, आईटीआई संस्थानों में नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला प्रशासन ने माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए विशेष मेगा अभियान का शुभारंभ किया है। जिसका उद्देश्य जिले के युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व विकास व केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सके। अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय, आईटीआई संस्थानों में एक माय भारत नोडल अधिकारी, एक माय भारत यूथ एम्बेसडर नियुक्त किया जाएगा। प्रत्येक संस्थान में नोडल अधिकारी व यूथ एम्बेसडर को विद्यार्थियों का पंजीकरण कराने, पोर्टल के प्रति जागरूकता बढ़ाने, अभियान से जुड़ी गतिविधियों का समन्वय करने की जिम्मेदारी दी गई है।

आवश्यक कार्रवाई की रुपरेखा बनाने का आह्वान

बता दें कि केंद्रीय सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इस प्रयास का उद्देश्य युवाओं को स्वैच्छिक सेवा, सामाजिक गतिविधियों, नेतृत्व विकास व विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों से सीधे जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत राजकीय, सरकारी सहायता प्राप्त सहित निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक पात्र विद्यार्थी का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की मानें, तो निर्धारित आयु वर्ग का कोई भी पात्र विद्यार्थी पंजीकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सभी शिक्षण संस्थानों को तय समय अनुसार आवश्यक कार्रवाई की रुपरेखा बनाने का आह्वान किया गया है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिला शिक्षा विभाग ने सभी शिक्षण संस्थानों को विस्तृत पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) उपलब्ध कराई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को पोर्टल पर पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से समझाई जाएगी। इसके अलावा संस्थानों को निर्धारित प्रारूप में पंजीकरण संबंधी जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान सफल बनाने के निर्देश

जिले के सभी शिक्षण संस्थान विशेष मेगा अभियान को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें, ताकि जिले का प्रत्येक पात्र युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़ सके। विशेष मेगा अभियान को सफल बनाने के लिए सभी संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध करा दी गई है।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

अवैध शराब बेचने के आरोप में व्यक्ति काबू

सोनीपत। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11 पेटी देशी शराब बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान आदर्श नगर निवासी मनोज के रूप में हुई है। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 18 जुलाई को गश्त के दौरान मुख्य सिपाही सुशील को सूचना मिली थी कि आदर्श नगर स्थित गंदा नाला क्षेत्र में एक दुकान की आड़ में अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारकर मनोज को काबू किया। तलाशी के दौरान दुकान से तीन पेटी देशी शराब की बोतलें और आठ पेटी देशी शराब के अध्धे बरामद हुए। आरोपित शराब रखने संबंधी कोई लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।